

KAJYA SABHA

Thursday, the 3rd May, 1962/the 13th
Vaisakha, 1884 (Saka)

The House met at eleven of the clock, MR.
CHAIRMAN in the Chair.

MEMBERS SWORN

Shri Nikunja Behari Maiti (West Bengal).

Shri K. V. Reddy (Andhra Pradesh). ORAL

ANSWERS TO QUESTIONS

लघु उद्योगों की उन्नति के सम्बन्ध में विधेयक

*२२१. श्री भगवत नारायण भागवत : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार लघु उद्योगों की उन्नति तथा विनियमन तथा अन्य सम्बन्धित मामलों का उपबन्ध करने वाला कोई विधेयक उपस्थित करने का विचार रखती है ?

UBLL FOR PROMOTION OF SMALL-SCALE
INDUSTRIES

*221. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state whether Government propose to bring forward * Bill providing for the promotion and regulation of small-scale industries and other allied matters?]

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में
उद्योग मंत्री (श्री एन० कानूनगो): अभी
ऐसा कोई विचार नहीं है।

THE MINISTER OF INDUSTRY IN THE
MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(SHRI N. KANUNGO): There is no such proposal
at present]

श्री भगवत नारायण भागवत : क्या ऐंस्टी-
मेट कमेटी ने गवर्नमेंट को इस सम्बन्ध में कोई
मुझाव दिया था ?

f[J English translation. 213 RS—
1.

श्री एन० कानूनगो : ऐंस्टीमेट कमेटी ने मुझाव दिया था। इसके अलावा स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज बोर्ड ने इस सम्बन्ध में विचार किया और एक कमेटी मुकर्रर की है और प्लानिंग कमीशन इस पर विचार कर रहा है। लेकिन इस सम्बन्ध में अभी कोई कानून बनाने की जरूरत नहीं है।

श्री भगवत नारायण भागवत : क्या गवर्नमेंट इस बात से सहमत नहीं है कि जो आर्गनाइजेशन डेवलपमेंट कमिशनर आफ स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज और नेशनल स्माल स्केल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन है और जो दूसरे लघु उद्योग संगठन हैं उनके बीच समन्वय रखने के लिये किसी कानून की आवश्यकता नहीं है ?

श्री एन० कानूनगो : समन्वय रखने की कोशिश की जाती है और कानून के बगैर भी समन्वय रहता है। जो कान्स्टीट्यूशन है उसके अनुसार स्माल स्केल इण्डस्ट्री स्टेट सबजेक्ट है और इसकी जिम्मेदारी स्टेट्स पर है। पार्लियामेंट का इस बारे में कितना दखल हो इस बारे में विचार किया जा रहा है।

श्री देवकीनन्दन नारायण : क्या माननीय मन्त्री जी कृपा करके बतलायेंगे कि कौन-कौन स्टेट्स में स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज के बोर्ड कायम हैं ?

श्री एन० कानूनगो : करीब सब स्टेट्स में हैं।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या माननीय मन्त्री जी बतलाने की कृपा करेंगे कि भारत सरकार की एक्सपोर्ट ज्यादा करने की नीति है तो इस चीज को दृष्टि में रखते हुए स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज को बढ़ावा देने के लिए कोई नियमन करने की आवश्यकता है ?

श्री एन० कानूनगो : नियमन करने की हमेशा कोशिश की जाती है और यह काम अच्छी तरह से हो रहा है। इस समय सवाल यह है कि कानून की जरूरत है या नहीं।